बाएं झुककर देखो तो दुनिया छोटी लगती है

यदि कोई चीज़ आपको छोटी नज़र आती है, तो कोई निर्णय करने से पहले अपनी स्थिति पर गौर कर लें। ऐसा पाया गया है कि बाईं ओर झुककर खड़े रहने पर हर चीज़ को छोटा करके देखने की प्रवृत्ति होती है। बात चाहे किसी इमारत की ऊंचाई की हो या सचिन तेंदुलकर के औसत स्कोर की।

उपरोक्त दिलचस्प निष्कर्ष नेदरलैण्ड के इरेस्मस विश्वविद्यालय की अनीता ईरलैण्ड और उनके साथियों ने एक अध्ययन के आधार पर प्रस्तुत किए हैं। वे यह जानना चाहती थीं कि क्या मूल्य निर्धारण में व्यक्ति के शरीर की स्थिति का कोई असर पड़ता है। तो उन्होंने 33 व्यक्तियों से कहा कि वे एक तख्ते पर खड़े होकर किसी सवाल के संख्यात्मक जवाब की गणना करें।

एक-तिहाई सवाल पूछते समय ये 33 वालंटियर एकदम सीधे खड़े थे। मगर शेष सवाल पूछते समय तख्ते को कुछ इस ढंग से झुका दिया गया था कि उन्हें सवाल को सही पढ़ने के लिए थोड़ा बाएं या दाएं झुककर खड़े होना पड़ता था।

एक तो यह देखा गया कि किसी भी सहभागी को किसी भी सवाल का एकदम सही उत्तर नहीं मिला था। अतः उनके उत्तरों को अनुमान माना गया। जब ईरलैण्ड के दल ने उत्तरों का विश्लेषण किया तो पाया कि जब व्यक्ति बाईं ओर झुककर खड़ा होता है, तो वह औसतन थोड़ा कम अनुमान लगाता है। ये परिणाम *सायकॉलॉजिकल साइन्स* शोध पत्रिका में प्रकाशित हुए हैं।

यह परिणाम मानसिक संख्या रेखा सिद्धांत से मेल खाता है। यह सिद्धांत कहता है कि हमारे दिमाग में एक संख्या रेखा मौजूद होती है। जो लोग बाएं से दाएं पढ़ने के आदी होते हैं, उनमें यह प्रवृत्ति होती है कि वे छोटी संख्या को बाईं ओर तथा बड़ी संख्या को दाईं ओर मानते हैं। अब सवाल यह उठ रहा है कि क्या यही प्रयोग दाएं से बाएं पढ़ने वाले लोगों पर किया जाए, तो नतीजे कुछ अलग आएंगे। शायद जल्दी ही कोई शोधकर्ता वैसा प्रयोग भी कर लेगा। ***(स्रोत फीचर्स)***